>

Title : Problems being faced by devotees visiting Gadhganga Dham in Amroha, U.P. due to its dilapidated condition.

श्री देवेन्द्र नागपाल (अमरोहा): सभापति महोदय, मैं आपका धन्यवाद अदा करता हूं कि आपने मुझे इस सदन में बोलने का अवसर प्रदान किया है। मैं माननीय पर्यटन मंत्री का ध्यान आपके माध्यम से अपने क्षेत्र के गंगा मैय्या घाट के प्रति आकर्षित कराना चाहता हूं।

महोदय, दिल्ली से 75 किलोमीटर दूर मेरा क्षेत्र पड़ता है - गढ़ गंगाधाम, जो बृजघाट के नाम से पहचाना जाता है। यह एक ऐतिहासिक धार्मिक स्थल है। वहां पर लाखों की संख्या में लोग प्रत्येक माह स्नान करने आते हैं, किंतु अफसोस है कि इतना बड़ा धार्मिक स्थल होने के बावजूद वहां इस प्रकार की कोई सुविधा नहीं है, जिससे हमारी माताएं-बहनें, जो लाखों की संख्या में आती हैं, उनके लिए स्नान करने के पहले और स्नान करने के बाद कपड़े बदलने का कोई उचित स्थान हो, इसलिए हरिद्वार की तर्ज पर इस दिशा में वहां कुछ विकास किया जाना अति आवश्यक है।

महोदय, गढ़ गंगा बृजघाट, पश्चिमी उत्तर प्रदेश का एक ऐसा स्थान है, जहां प्रत्येक माह पूर्णमासी के दिन लाखों की संख्या में लोग आते हैं। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश आदि स्थानों से लोग वहां आते हैं जिससे बीस-बीस किलोमीटर लंबी लाइनें लग जाती हैं। वहां इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे लोग आराम से मां गंगा के दर्शन और स्नान कर लें और उनको कोई सुविधा अच्छी तरह से उपलब्ध हो जाए।

मैं अनुरोध करूंगा कि हरिद्वार की तर्ज पर, जो एकमात्र हमारे यहां धार्मिक स्थल है, इसे पर्यटन का दर्जा देते हुए, उसका विकास होना चाहिए। मैं एक बार फिर आपका धन्यवाद अदा करता हूं।